मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने विद्याधर नगर स्थित पूर्व उपराष्ट्रपति स्व. भैरोंसिंह शेखावत की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर पूर्व मंत्री नरपत सिंह राजवी, विधायक बालमुकुंद आचार्य सहित अनेक भाजपा नेता मौजूद थे।

वर्तमान वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था की ग्रोथ रेट 6.6 प्रतिशत होने की संभावना

यह आकलन दिया है, विश्व प्रसिद्ध रेटिंग एजेंसी ''मूडी'' ने

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 15 मई। देश में चल रहे राजनीतिक शोर-शराबे के बीच यह एक ताजी हवा के झोंके जैसा है। भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत क्रेडिट डिमांड के कारण वर्तमान वित्त वर्ष 2024-25 में 6.6 प्रतिशत तक बढ़ सकती है।

यह संभावना ग्लोबल रेटिंग एजेंसी ''मूडी'' ने व्यक्त की है, हालांकि मूडी का अनुमान रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया (आर.बी.आई.) के 7 प्रतिशत के अनुमान से थोड़ा ही कम है, लेकिन फिर भी इसे स्वस्थ माना गया है। इन्टरनैशनल मॉनिटरी फंड (आई.एम.एफ.) ने भारत के ग्रॉस डोमैस्टिक प्रोडक्ट (जी.डी.पी.) को लेकर हाल ही में जो संभावना व्यक्त की थी, से भी ''मूडी'' और आर.बी.आई. के आंकड़े मैच करते हैं।

मूडी ने अगले वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर 6.2 प्रतिशत बतायी थी। भारत की जी.डी.पी. में वित्तीय वर्ष 2023-24 की अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही के दौरान 8.4 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई और वह विश्व में सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रही और अब उसकी गति के और बढ़ने की संभावना है।

भारत की अर्थव्यवस्था वर्ष 2022-23, 7.2 प्रतिशत और वर्ष 2021-22, 8.7 प्रतिशत बढ़ी। अनुमान है कि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान इसमें 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। रेटिंग एजेंसी ने हाल ही माना था कि, अर्थव्यवस्था को लेकर भारत सरकार का रूख स्थिर रहेगा। स्थिर रूख में यह संभावना भी शामिल होती है कि भारत के वित्तीय मानदंड आर्थिक वृद्धि की संभावनाओं के बीच और उसके समकक्ष देशों की तुलना में धीरे-धीरे बढ़ेंगे।

मूडी ने कहा कि भारत वैश्विक महामारी के बाद एक मजबूत एवं स्थिर अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है, हालांकि रेटिंग एजेंसी को यह उम्मीद नहीं है कि अगले वर्ष तक धीरे-धीरे होने वाले ''फिस्कल मैट्रिक्स'' के बीच ऋणों में कोई ठोस कमी आएगी।

मूडी ने यह जोर देकर कहा है कि, भारत इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास, डिजीटलाइजेशन और वित्तीय सिस्टम के नवीनीकरण से लाभांवित हुआ है।

आई.एम.एफ. ने नवीनतम वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक के अनुसार वर्ष 2024 में भारत का विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज गति से आगे बढ़ना तय है।

आई.एम.एफ. ने अपने नवीनतम दृष्टिकोण में वर्ष 2024 में भारत के लिए 6.5 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत की आर्थिक संभावना व्यक्त की है। उसका मानना है कि जी.डी.पी. की ठोस वृद्धि की भविष्यवाणी, नियंत्रित स्तरों की महंगाई, केन्द्र सरकार की राजनीतिक स्थिरता और केन्द्रीय बैंक की प्रशंसनीय मौद्रिक नीति ने हाल ही की तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था की उज्जवल छवि पेश करने में योगदान किया है।

भारत की जी-20 अध्यक्षता एवं नीति आयोग के पूर्व प्रमुख अभिमाभ कांत ने विभिन्न वृहद आर्थिक मानदंडों का हवाला देते हुए कहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था वर्ष 2025 तक जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। भारत की जीडीपी वर्तमान में अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान के बाद पांचवे स्थान पर है। भारत ने आर्थिक विकास के मामले में वर्ष 2022 में यू.के. को पीछे छोड़ दिया था। एक दशक पहले ही भारत की जी.डी.पी. दुनिया में 11वें स्थान पर थी। वर्तमान में उसके 3.7 ट्रिलीयन डॉलर तक होने का अनुमान है।

कांत के अनुसार फ्रैज़ाइल 5 के हिसाब से भारत की 2024 में विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनने तक की यात्रा में जी.एस.टी. का रिकॉर्ड कलैक्शन, पिछली तीन तिमाहियों में 8 प्रतिशत से अधिक की जी.डी.पी., वृद्धि, विभिन्न देशों के साथ भारतीय करेंसी रूपए में व्यापार और महंगाई को नियंत्रण में रखने का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

वित्तीय विश्लेषक मॉर्गन स्टेनली ने वर्ष 2013 में ''फ्रेज़ाइल-5'' शब्द गढ़ा था। यह शब्द भारत सहित आर्थिक रूप से उभर रहे पांच देशों को इंगित करता है। उस वक्त इन देशों की अर्थव्यवस्थाओं का संचालन बेहतर नहीं था। फ्रेज़ाइल-5 में चार अन्य देश थे-ब्राज़ील, इन्डोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका और टर्की। भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि में कुछ कारकों के अलावा इस्पात, सीमेंट और ऑटोमोबाइल मैन्यूफैक्चरिंग सैक्टर्स में डबल डिजिट की आर्थिक वृद्धि में ई-ट्रांजैक्शन्स की 134 बिलियन तक पहुंच, जो कि वैश्विक डिजीटल पेमेन्ट्स का 46 प्रतिशत है, के साथ ही भारत का डिजीटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर में वैश्विक नेता बनना, जन धन, आधार और मोबाइल में 2.32 लाख करोड़ खाते खुलने और वर्ष 2003-04 से वर्ष 2013-14 के बीच रही 8.2 प्रतिशत की वार्षिक महंगाई दर का वर्ष 2013-14 और वर्ष 2022-13 के बीच 5 प्रतिशत तक आ जाने ने अहम योगदान किया। वर्तमान और अगले वित्तीय वर्षों में रहने वाली मजबूत आर्थिक संभावनाओं से भारत की सत्तारूढ़ पार्टी का उत्साहवर्धन होना तय है और वह भारत के विकसित देश बनने को लेकर गर्व से चर्चा करेगी।

केन्द्रीय पैट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी कहते हैं कि भारत को वर्ष 2047 से पहले 10-15 वर्ष बाद एक विकसित राष्ट्र का दर्जा प्राप्त हो सकता है।

वे कहते हैं कि ''वर्ष 2014 में जब नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे, तब देश विश्व की 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था था, लेकिन अब वह 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और अगले 2 वर्षों में वह जर्मनी और जापान को पछाड़कर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

- चुनावी शोर गुल के बीच ताजी हवा के झोंके की तरह आई इस खबर ने भारतीय अर्थव्यवस्था से जुड़े लोगों की खुशी बढ़ा दी है।
- मूडी का आकलन, हालांकि, आर.बी.आई. के अनुमान, सात प्रतिशत से कुछ कम है, पर इसे काफी उत्साहवर्धक माना जा रहा है।
- इस प्रकार भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है और इसी दर से ग्रोथ होती रही तो भारत देश जापान को पीछे छोड़ कर चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

इंडिया गठबंधन को बाहर से समर्थन देने का ऐलान किया ममता बनर्जी ने

राजनीतिक विश्लेषक ममता बनर्जी के इस बयान को उनके तेवर ढीले पड़ने का स्पष्ट संकेत मान रहे हैं

कोलकाता, 15 मई। लोकसभा चुनाव अभी चल रहे हैं। देश में किसकी सरकार बनेगी यह चार जून को नतीजे आने के बाद ही पता चलेगा। इससे पहले विपक्षी गठबंधन ने सरकार बनाने की योजनाओं पर बयान देना शुरू कर दिया है। टी.एम.सी. सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कहा कि, लोकसभा चुनाव के बाद अगर इंडिया गठबंधन की सरकार बनती है तो वह इस सरकार में शामिल नहीं होंगी बल्कि बाहर से उनकी पार्टी समर्थन करेगी।

उल्लेखनीय है कि चौथे चरण के चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने कहा कि यदि इंडिया गठबंधन की सरकार बनती है तो उनका पूरा सपोर्ट रहेगा। अब बुधवार को एक चुनावी रैली के दौरान ममता ने कहा कि उनकी पार्टी इंडिया गठबंधन के नेतृत्व को बाहर से पूरा समर्थन देगी ताकि बंगाल के लोगों को कोई परेशानी न आए।

ममता बनर्जी ने कहा, ''हम इंडिया गठबंधन को नेतृत्व प्रदान करेंगे और उन्हें बाहर से हर तरह से मदद करेंगे। हम ऐसी सरकार बनाएंगे ताकि बंगाल में हमारी मां-बहनों को कभी परेशानी न हो। जो लोग 100 दिन-रोजगार योजना में काम करते हैं, उन्हें दिक्कत ना हो और उनको समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा।'' अपने बयान में उन्होंने टीएमसी के लिए इंडिया गठबंधन की अपनी परिभाषा साफ कर दी। ममता बनर्जी ने कहा, ''आपको यह पता होना चाहिए कि इंडिया अलायंस में- बंगाल कांग्रेस और सीपीआई (एम) को मत गिनें, वे दोनों हमारे साथ नहीं हैं। वे दोनों भाजपा के साथ हैं। मैं दिल्ली के बारे में बात कर रही हूं।'' राजनीतिक गलियारों में ममता के बाहर से समर्थन को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। अतीत में बंगाल की पूर्व सत्तारूढ़ पार्टी सीपीएम सहित विभिन्न वामपंथी दलों ने केंद्र में पहली यूपीए सरकार (मनमोहन सिंह के नेतृत्व में) को कैबिनेट में शामिल हुए बिना बाहर से समर्थन दिया था।

दूसरी ओर, ममता और उनकी पार्टी तृणमूल पहले भी कई बार सीधे केंद्र सरकार में शामिल हो चुकी हैं। 1998 में बनी 13 महीने की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में ममता शामिल नहीं हुईं बल्कि बाहर से समर्थन किया। बाद में ममता सहित तृणमूल नेता कई बार वाजपेयी और मनमोहन की कैबिनेट में रहे। 1999 से 2004 तक तृणमूल वाजपेयी सरकार में थी। 2009 में ममता मनमोहन कैबिनेट में भी शामिल रहीं।

एक अलग बयान में ममता बनर्जी ने बुधवार को निर्वाचन आयोग (ईसी) को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशों के तहत काम करने वाली कठपुतली करार दिया। चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, बनर्जी ने दो महीने की अवधि में चुनाव निर्धारित करने के लिए निर्वाचन आयोग की आलोचना की और आरोप लगाया कि अत्यधिक गर्मी के कारण आम लोगों को होने वाली कठिनाइयों की अनदेखी करते हुए भाजपा के पक्ष में यह फैसला लिया। बनर्जी ने कहा, ''निर्वाचन आयोग एक कठपुतली है और मोदी के निर्देशों के अनुसार काम करता है। ढाई महीने से मतदान हो रहा है, क्या आपको (निर्वाचन अधिकारियों को) कभी आम लोगों की परेशानियों का एहसास हुआ है।''

- तृणमूल कांग्रेस पहले भी कई बार सीधे केंद्र सरकार में शामिल हो चुकी हैं। वर्ष 1998 में बनी 13 महीने की अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में ममता शामिल नहीं हुईं थी, बल्कि बाहर से समर्थन किया था।

न्यूज़ क्लिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रिहा होने का हकदार है। रिमांड आदेश अवैध है।''

शीर्ष अदालत ने कहा कि इस केस में अभियुक्त को गिरफ्तारी के तथ्यों के आधार लिखित में उपलब्ध कराया जाना जरूरी था। पुरकायस्थ की जमानत के लिए शर्तें ट्रायल कोर्ट लागू करेगी। सात माह से भी अधिक अवधि के बाद इंडियन न्यूज़ रूम को एक महत्वपूर्ण सफलता मिली है, सुप्रीम कोर्ट ने घोषित किया कि न्यूज़ क्लिक के संस्थापक संपादक प्रबीर पुरकायस्थ की गिरफ्तारी ''कानून की निगाह में अवैध है।'' देश की शीर्ष अदालत ने परकायस्थ को तत्काल जेल से रिहा करने का आदेश दिया। भारत में प्रेस की आज़ादी समाप्त होती प्रतीत होने के बीच इसे एक छोटी विजय के रूप में देखा जा रहा है।

नागरिकता प्रमाण पत्र जारी होने से ममता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में वो इसका विरोध करेंगी।

विपक्षी दलों, विशेष रूप से तृणमूल कांग्रेस की ममता बनर्जी द्वारा सी.ए.ए. के लगातार विरोध के माहौल में केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने आज 14 आवेदकों को भारत की नागरिकता प्रदान की। स्पष्ट रूप से तृणमूल के दावों का महत्व कम करने के लिए यह भाजपा का शक्ति प्रदर्शन है।

नागरिकता प्रमाण पत्र जारी होने के बाद ममता बनर्जी ने अभी तक, इस कानून के क्रियान्वन के बारे में प्रत्यक्ष रूप से कुछ नहीं कहा है।

केन्द्र के आज के इस कदम से विपक्ष के तेवर उग्र हो गए हैं। सारी विपक्षी पार्टियाँ नागरिकता देने के खिलाफ, जोर-शोर से चिल्ला रही हैं। कांग्रेस ने सत्ता में आने के बाद, इस कानून को निरस्त करने का वादा तक कर दिया है।

कल ही, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने, बंगाल में चुनावी सभा के एक मंच से ऐलान किया था कि सी.ए.ए. को लागू किया जायेगा।

जैसा कहा गया था, वैसा करा गया। केन्द्रीय गृह मंत्रालय, बंगाल के संवेदनशील चुनावी क्षेत्रों को यह संदेश देने की कोशिश कर रहा है। कुछ क्षेत्रों में मतुआ काफी तादाद में हैं और उनके समर्थन से भाजपा की संभावनाएं काफी बेहतर हो सकती है।

ममता बनर्जी भी इस पर काफी शोर मचा रही है और बुधवार को अपनी सभी जनसभाओं में उन्होंने कहा कि, नागरिकता का आवेदन करने से व्यक्ति नागरिक के रूप में अयोग्य हो जाता है। वह बार-बार कह रही हैं, ''जैसे ही आप सी.ए.ए. के तहत आवेदन करते हैं, आपका स्टेटस विदेशी का हो जाएगा और अपने सारे अधिकार खो देते हैं।

नागरिकता प्रमाण पत्रों के देने के इस कदम ने इन सब बयानों को झूठ बना दिया है।

जब यह कानून पास हुआ था तो लोगों ने तभी नागरिकता के लिए आवेदन करना भी शुरु कर दिया था।

- सीमा के पास के पांच जिलों में मतुआ समुदाय की भारी संख्या में उपस्थिति है, जो बंगाल के चुनाव में निर्णायक है।

सीरियल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन, कांग्रेस और इण्डिया गठबंधन सहित पूरे विपक्ष के नेता इस मामले में केन्द्र सरकार की प्रकट एवं कथित निष्क्रियता को लेकर सवाल कर रहे हैं। उनके अनुसार केन्द्र सरकार हासन के इस सांसद का ''डिप्लोमैटिक पासपोर्ट'' निरस्त कर उसे भारत लौटने और जाँच का सामना करने को विवश कर सकती है। कुछ महिलाएं यौन उत्पीड़न की शिकायतों को लेकर पहले ही आगे आ चुकी है और उन्होंने एफ.आई.आर. भी दर्ज करवायी हैं, जिसके बाद राज्य सरकार ने इस प्रकरण की जाँच के लिए एस.आई.टी. का गठन किया था। गौडा परिवार ने आरोप लगाया है कि यह केस राजनीति से प्रेरित है। उसने अश्लील वीडियोज़ रिलीज़ किए जाने के समय पर प्रश्न उठाते हुए कहा है कि कांग्रेस को इसकी सूचना काफी समय पहले से थी, लेकिन उसने वीडियो तब जारी किए जब वोटिंग प्रक्रिया आधी ही पूर्ण हुई थी।

'पी.ओ.के. भारत का है और हम इसे लेकर रहेंगे'

कोलकाता, 15 मई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में विरोध प्रदर्शन का जिक्र करते हुए साफ-साफ कहा है कि पीओके भारत का हिस्सा है और हम इसे लेकर रहेंगे। सेरामपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि 2019 में अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद कश्मीर में शांति लौट आई है, लेकिन पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर अब आजादी के नारों और विरोध प्रदर्शनों से गूंज रहा है।

उन्होंने कहा, ''2019 में सरकार द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के बाद कश्मीर में शांति लौट आई है। लेकिन अब हम पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में विरोध प्रदर्शन देख रहे हैं। पहले आजादी के नारे यहां सुनाई देते थे, अब वही नारे पीओके में सुनाई देते हैं। पहले यहां पत्थर फेंके जाते थे अब पीओके में पथराव हो रहा है।

बीकानेर में सात-आठ हजार के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिंह की सभा में भी अपेक्षित भीड़ नहीं जुटने के पीछे भी यही कारण बताया जा रहा है। नोखा विधानसभा क्षेत्र के एक राजपूत बहुल एक गांव में राजपूत समाज के कुल मतदाताओं से मात्र 10-15 प्रतिशत मतदाता ही वोट डालने आए, जबकि इस गांव में भाजपा का पूरा दबदबा है।

कम मतदान को लेकर जब देहात भाजपा अध्यक्ष जालम सिंह भाटी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि बड़े-छोटे चुनाव में मतदान में तो अंतर रहता ही है। इनका कहना था कि सरपंच के चुनाव में ज्यादा मतदान होता है। इसी मामले में नोखा के पूर्व विधायक भाजपा नेता बिहारी लाल बिश्नोई से नोखा में कम मतदान को लेकर बात की तो उनका कहना था कि नोखा में कम मतदान कोई नई बात नहीं है। यहां कम मतदान के बावजूद भाजपा बढ़त लेगी। नोखा में जाट-बिश्नोई मतदाताओं की लगभग बराबर संख्या है, जाट थोड़े से अधिक ही है। क्षेत्र के बिश्नोई मतदाता का रूझान भाजपा के पक्ष में माना जा रहा है, जबकि जाटों का रूझान कांग्रेस की तरफ माना जा रहा है।

श्रीडूंगरगढ़ के पूर्व विधायक गिरधारी महिया ने कहा कि बीकानेर लोकसभा में भाजपा के लिए यह चुनाव जितना सरल माना जा रहा था। क्षेत्र के मतदाताओं ने मतदान के बाद उस स्थिति को बदल दिया। उन्होंने पूरे बीकानेर लोकसभा क्षेत्र के बारे में बताते हुए कहा कि किसान आन्दोलन से प्रभावित खाजूवाला, अनूपगढ़ व श्रीडूंगरगढ़ आदि क्षेत्र में कांग्रेस भाजपा से अच्छी बढ़त लेगी। बीकानेर पूर्व व पश्चिम क्षेत्र में भाजपा 50-60 हजार की बढ़त ले सकती है। यह आंकलन भाजपा के आन्तरिक आंकलन से कम है, लेकिन राजनीतिक रुप से सक्रिय लोगों का आंकलन है।

मतदान के बाद कांग्रेस व भाजपा दोनों ही दलों ने अपने-अपने कार्यकर्ताओं के साथ बैठकर स्थिति की समीक्षा की। भाजपा ने जहां अपने आन्तरिक आंकलन को लेकर पत्ते नहीं खोले। वहीं कांग्रेस के आंकलन में मतदान के बाद की स्थिति पर प्रदेश नेतृत्व को विस्तृत रिपोर्ट भेजी गई है। कांग्रेस के आन्तरिक आंकलन के अनुसार अनूपगढ़ में कुल मतदान के 70 प्रतिशत, खाजूवाला में 70 प्रतिशत, लूणकरनसर में 60 प्रतिशत, डूंगरगढ़ में 60 प्रतिशत, कोलायत में 50 प्रतिशत, नोखा में 40 प्रतिशत, बीकानेर पूर्व में 40 प्रतिशत तथा बीकानेर पश्चिम में 30 प्रतिशत मत कांग्रेस को मिलने की उम्मीद की गई है। इस आंकलन में दोनों दलों के बीच हार जीत को लेकर भी कहा गया है कि संभवत यह हार जीत 7-8 हजार तक ही रह सकती है। चुनाव प्रचार शुरू होने पर भाजपा में जो उत्साह था वह चुनाव खत्म होते-होते ढीला पड़ गया। न इस समय कोई भाजपा नेता यह दावा करने की स्थिति में है कि पूरे देश में माहौल भाजपा के पक्ष में होने व केन्द्र व राज्य में भाजपा की सरकार होने के बावजूद पार्टी इस सीट से भारी बढ़त लेकर चुनाव जीतेगी।

चुनाव आयोग में राहुल गांधी की शिकायत

नई दिल्ली, 15 मई। लोकसभा चुनाव के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने नरेंद्र मोदी पर आरोप लगाया कि, उन्होंने दो तरह के सैनिक बनाए हैं। जिसपर आज विदेश मंत्री एस. जयशंकर समेत भाजपा के कई दिग्गज नेता चुनाव आयोग के ऑफिस पहुंचे और राहुल गांधी और उनकी पार्टी के अन्य नेताओं के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाते हुए कार्रवाई की मांग की।

इस मामले में जानकारी देते हुए विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि कुछ दिन पहले राहुल गांधी जी ने कहा था कि नरेंद्र मोदी ने दो तरह के सैनिक बनाए हैं।

एक गरीब, पिछड़े, आदिवासी और दलित का बेटा और दूसरा जो अमीर घर का बेटा लेकिन ये झूठ है, यह हमारे सशस्त्र बलों पर सीधा हमला है, वे इसे विवाद का मुद्दा बनाना चाहते हैं। वे उनका मनोबल गिराना चाहते हैं।

'मुझे अपने चाचा (नीतीश कुमार)...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जब उसने 40 में से 39 सीटें जीती थी। महागठबंधन नेताओं के अनुसार, जदयू, एन.डी.ए. की कमजोर कड़ी है, जो कि सीट बंटवारे के तहत 16 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। इसीलिए, विपक्षी खेमा, कुमार और उनकी पार्टी पर और ज्यादा जोर-शोर से निशाना साध रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के वाराणसी में नामांकन पत्र दाखिल करने के समय, नीतीश कुमार का ना होना संभवतया तेजस्वी के इस नवीनतम बयान के पीछे प्रमुख कारण हो सकता है।

पटना में हाल में आयोजित प्रधानमंत्री के एक रोड शो में, उनके साथ खुली जीप में नीतीश की भाजपा के चुनावी चिन्ह, कमल को हाथ में उठाने के लिए, कटु आलोचना हुयी है। इस अवसर का लाभ उठाते हुए, तेजस्वी ने एन.डी.ए. में दरार डालने का प्रयत्न किया था, यह कहते हुए कि, ''उनको जानकारी थी कि कुमार का आशीर्वाद उनके साथ है क्योंकि वे उनकी लड़ाई आगे बढ़ा रहे हैं। इस बात पर ध्यान दीजिए कि, वह उसी दिन बीमार पड़ गए जिस दिन प्रधानमंत्री वाराणसी में अपना नामांकन पत्र दाखिल कर रहे थे।

यह साफ है, मुझे उनका पूरा समर्थन प्राप्त हो रहा है।''

मुख्यमंत्री के करीबी सूत्रों ने यद्यपि, दावा किया कि, उनको ''फ्लू'' जैसे लक्षण थे और सोमवार रात्रि को अपने करीबी दोस्त और वरिष्ठ भाजपा नेता,जिसने दस साल से ज्यादा उनके सहायक के रूप में काम किया, सुशील कुमार मोदी के निधन के समाचार सुनने के बाद से वे उदास थे।

- मोदी के पर्चे भरने के अवसर पर नीतीश के अनुपस्थित होने से तेजस्वी को आक्रमण करने का मौका अनायास ही मिल गया है।
- पर, यह सच है कि, उस समय नीतीश वायरल संक्रमण से पीड़ित थे तथा अपने पुराने साथी व मित्र सुशील मोदी की मृत्यु की खबर से ''डिप्रेशन'' भी महसूस कर रहे थे।

चारधाम यात्रा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

गया। अब स्थिति सामान्य है हालांकि यात्रा सुचारु रुप से चल रही है।

गढ़वाल मंडल के कमिश्नर विनय शंकर पांडे ने बुधवार को बताया कि चारधाम यात्रा के दौरान अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें से 4 को डायबिटीज के साथ-साथ ब्लड प्रेशर की भी शिकायत थी।

सी.ए.ए. कानून के अंतर्गत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

(संशोधन) नियम 2024 अधिसूचित किए जाने के बाद आज नागरिकता प्रमाण पत्र का प्रथम सेट जारी किया गया। भल्ला ने नई दिल्ली में कुछ आवेदनकर्ताओं को नागरिकता प्रमाण पत्र सुपुर्द किए और प्रमाण पत्र लेने वालों को बधाई भी दी और इसके साथ ही उन्होंने नागरिकता (संशोधन) नियम 2024 की मुख्य विशेषताओं पर भी प्रकाश डाला।

नागरिकता (संशोधन) विधेयक ऐसे लोगों को भारतीय नागरिकता शीघ्र प्रदान करने के लिए बनाया गया है। जिनका पाकिस्तान अफगानिस्तान व बांग्लादेश में धर्म के आधार पर पलायन कर बचने के लिए भारत आए है इनमें हिन्दू, सिख, बौद्ध , जैन, पारसी व इसाई सम्प्रदाय परिवारों के लोग है परन्तु इस नियम में मुसलमान समुदाय शामिल है। लोक सभा ने यह कानून 9 दिसम्बर 2019 को पारित किया था और उसके दो दिन बाद राज्य सभा ने इस कानून को पारित कर दिया था। राष्ट्रपति ने इस कानून का अनुमोदन 12 दिसम्बर 2019 को किया था। इस कानून को पारित करने के तत्काल बाद ही इसके विरोध में सम्पूर्ण देश में व्यापक रूप से विरोध-प्रदर्शन हुए थे। चार साल पहले इस कानून के अधिनियमित होने के बावजूद सी.ए.ए. को इसलिए क्रियान्वित नहीं किया जा सका क्योंकि इसके नियम नहीं बने थे।

सरकार ने नागरिकता संशोधन एक्ट 2019 को क्रियान्वित करने से संबंधित बहु-प्रतिक्षित नियमों को अधिसूचित कर दिया है, गत 2019 के लोकसभा चुनावों एवं साल 2021 के पश्चिम बंगाल के विधान सभा चुनावों में भगवा पार्टी के चुनावी वादों में यह एक प्रमुख वादा था। नियमों की अधिसूचना एक दिन बाद सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल में अपने 42 लोक सभा उम्मीदवारों की घोषणा कर दी थी। पश्चिम बंगाल में भाजपा लगभग 30 लाख की संख्या वाले मतुआ समुदाय नागरिकता की गारंटी देती है जिनका लगभग पांच लोकसभा के क्षेत्रों तथा उत्तर व दक्षिण 24 परगणाओं की 50 से अधिक विधान सभा सीटों एवं नदिया जिले में अच्छा खासा प्रभाव है।

यद्यपि केन्द्रीय गृह मंत्रालय की यह कार्यवाही आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन प्रतीत होती है परन्तु यह बहुत ही संदिग्ध लगता है कि क्या चुनाव आयोग इस कार्यवाही पर स्वत: संज्ञान लेगा या इस पर कोई कार्यवाही करेगा।

'अमेरिका को चाबहार पोर्ट के परिप्रेक्ष्य में छोटी सोच नहीं रखनी चाहिये'

भारत पर प्रतिबंध लगाने की अमेरिका की ओर से आई धमकी के बाद विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कड़ी प्रतिक्रिया दी

नई दिल्ली, 15 मई। भारत ने ईरान के साथ चाबहार पोर्ट के संचालन को लेकर 10 साल का करार कर लिया है। इसे लेकर अमेरिका की ओर से टिप्पणी आई थी कि ईरान के साथ डील करने पर प्रतिबंध लग सकते हैं। इसे भारत के लिए सीधे तौर पर चेतावनी के तौर पर देखा गया था। अब अमेरिका की टिप्पणी पर एस. जयशंकर ने प्रतिक्रिया दी है। विदेश मंत्री ने कहा कि छोटी सोच नहीं रखनी चाहिए। इस डील से पूरे क्षेत्र को ही फायदा मिलेगा। ऐसे अहम प्रोजेक्ट को लेकर छोटी सोच रखना ठीक नहीं है। उन्होंने कोलकाता में अपनी पुस्तक वाई भारत मैटर्स के बांग्ला अनुवाद के विमोचन के मौके पर यह बात कही।

जयशंकर ने कहा, मैंने कुछ बयान देखे हैं। लेकिन मैं समझता हूं कि यह मामला लोगों की समझ, संवाद का है। असल में यह सभी के लिए फायदेमंद है। इस बात को समझना चाहिए। मैं समझता हूं कि लोगों को छोटी सोच नहीं रखनी चाहिए। विदेश मंत्री ने अमेरिका को उसका इतिहास भी याद दिलाया। जयशंकर ने कहा, क्या उन्होंने पहले यह नहीं किया था। उन्हें खुद अपना ही पुराना रुख चाबहार बंदरगाह पर देखना चाहिए। अमेरिका इस प्रोजेक्ट को लेकर एक दौर में उत्साहित था और उसका मानना था कि यह अहम है। हम इस पर काम करेंगे।

इससे पहले मंगलवार को अमेरिका ने कहा था कि यदि कोई भी तेहरान के साथ डील करता है तो उसे पता होना चाहिए कि पाबंदियां भी लग सकती हैं। अमेरिका का यह बयान उस खबर के बाद आया था, जिसमें भारत और ईरान ने चाबहार पोर्ट को लेकर डील कर ली थी। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के उप प्रवक्ता वेदांत पटेल ने कहा था, मैं इतना ही कहूंगा... ईरान पर अमेरिकी पाबंदियां लगी हुई हैं और हम उन्हें जारी रखेंगे। इसके आगे पटेल ने कहा था, यदि कोई भी कंपनी ईरान के साथ बिजनेस डील करती है तो फिर उन्हें पाबंदियों के बारे में पता होना चाहिए।

- विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि, इस डील से पूरे क्षेत्र को ही फायदा मिलेगा। ऐसे अहम प्रोजेक्ट को लेकर छोटी सोच रखना ठीक नहीं है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908